Hindustan

Viroddh pradarshan par chali Police ki lathiya

Date: 09/08/2013 | Edition: Delhi | Page: 4 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 13 H: 13

Clip: 1 of 1

ग्रामीण क्षेत्र में एक साल प्रैक्टिस अनिवार्य किए जाने के विरोध में गुरुवार को जतंर-मंतर पर मेडिकल छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। ● एजेंसी

विरोध प्रदर्शन पर चलीं पुलिस की लाठियां

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

गांव में एक साल प्रैक्टिस अनिवार्य किए जाने के विरोध में जतंर-मंतर पर डॉक्टरों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान निकाले गए मार्च पर पुलिस ने लाठिया बरसाई और पानी की बौछारें छोड़ी।

इस दौरान मेडिकल के दो छात्र बुरी तरह घायल हुए, जिन्हें बाद में लेडी हार्डिंग कॉलेज में भर्ती किया गया। आईएसए के सहयोग से विरोध प्रदर्शन में दिल्ली सहित एनसीआर के 1000 से अधिक डॉक्टर प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे। हालांकि देर शाम छात्र संघ और स्वास्थ्य सचिव के साथ हुई वार्ता में नये नियम में संशोधन करने का आश्वासन दिया गया।

संसद मार्ग की तरफ शांति से मार्च करते हुए रास्ते में पुलिस ने बैरिकेटिंग लगा दी और डॉक्टरों को रोकने की कोशिश की, बावजूद इसके डॉक्टर जब नहीं मानें तो उनपर पानी की बौछारे छोड़ी गई। जिसमें डॉ. स्वाति और डॉ. योगेश बुरी तरह घायल हुए। स्वाति को घुटना मुड़ने के कारण लेडी हार्डिंग अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती किया गया, जबकि योगेश को आंख और हाथ पर चोट लगी।